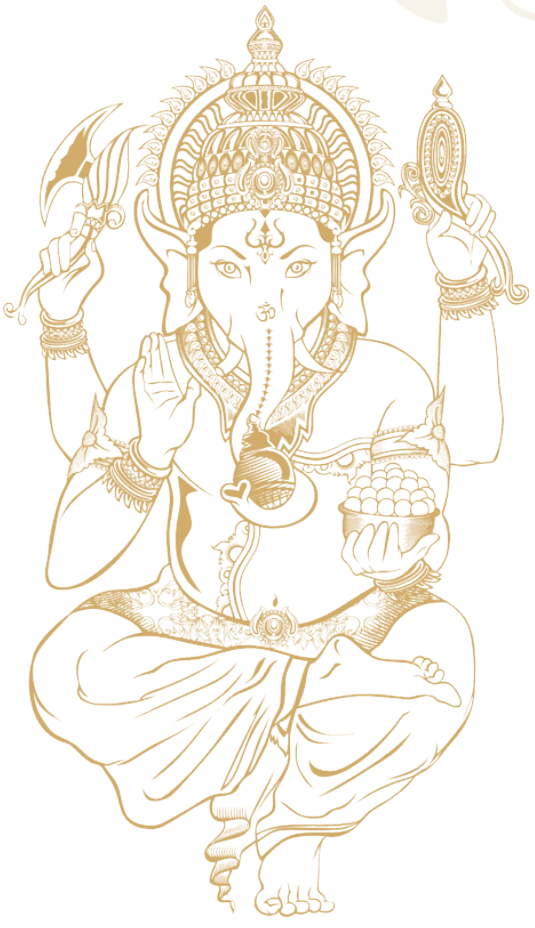

Mr.rahul porval

Ms.saloni jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 118999004

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
9-10/10/1999 :	जन्म तिथि	: 4-05/05/1999
शनि-रविवार :	दिन	: मंगल-बुधवार
घंटे 06:16:00 :	जन्म समय	: 04:37:00 घंटे
घटी 59:42:10 :	जन्म समय(घटी)	: 56:19:16 घटी
India :	देश	: India
Sangli :	स्थान	: Madras
16:55:00 उत्तर :	अक्षांश	: 13:05:00 उत्तर
74:37:00 पूर्व :	रेखांश	: 80:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:32 :	स्थानिक संस्कार	: -00:08:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:23:07 :	सूर्योदय	: 05:47:18
18:14:38 :	सूर्यास्त	: 18:24:14
23:50:59 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:39

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 4वर्ष 1मा 22दि		19:53:43	कन्या	लग्न	मीन	29:27:14	केतु 3वर्ष 0मा 1दि	
गुरु		22:25:29	कन्या	सूर्य	मेष	20:11:28	सूर्य	
01/12/2021		28:46:17	कन्या	चंद्र	धनु	07:36:32	06/05/2022	
01/12/2037		01:07:01	धनु	मंगल व	तुला	06:28:55	06/05/2028	
गुरु	19/01/2024	13:01:45	तुला	बुध	मीन	29:25:45	सूर्य	24/08/2022
शनि	02/08/2026	07:53:56	मेष व	गुरु	मीन	25:15:03	चन्द्र	23/02/2023
बुध	07/11/2028	07:54:32	सिंह	शुक्र	मिथु	01:58:53	मंगल	30/06/2023
केतु	14/10/2029	21:55:20	मेष व	शनि	मेष	13:52:00	राहु	24/05/2024
शुक्र	14/06/2032	16:53:05	कर्क व	राहु व	कर्क	23:43:41	गुरु	12/03/2025
सूर्य	02/04/2033	16:53:05	मक व	केतु व	मक	23:43:41	शनि	22/02/2026
चन्द्र	02/08/2034	19:05:07	मक व	हर्ष	मक	22:49:49	बुध	30/12/2026
मंगल	09/07/2035	07:44:32	मक व	नेप	मक	10:31:23	केतु	07/05/2027
राहु	01/12/2037	14:36:49	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	15:57:54	शुक्र	06/05/2028

लग्न-चलित

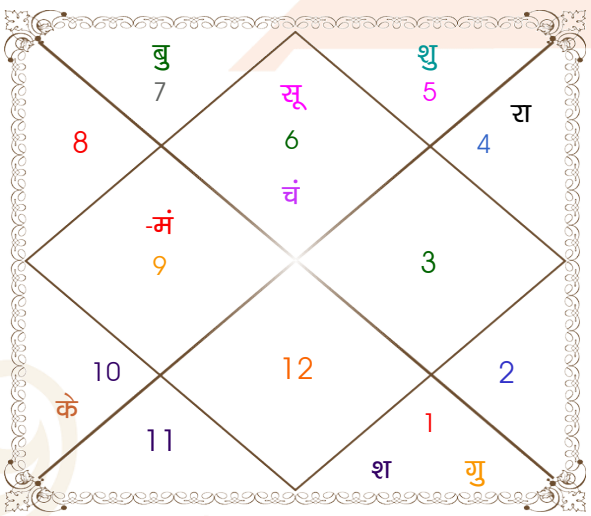

लग्न-चलित

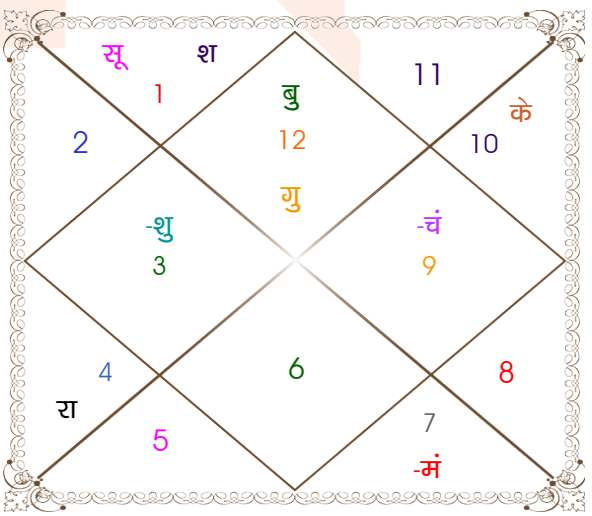

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr.rahul porval का वर्ग मूषक है तथा Ms.saloni jain का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.rahul porval और Ms.saloni jain का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.rahul porval मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms.saloni jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr.rahul porval कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.rahul porval कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.rahul porval तथा Ms.saloni jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977